

सौतेली दीदी की चूत चुदाई -2

“मैं सौतेली दीदी को याद करके मुठ मारता था और मैंने सोच रखा था कि उनको एक दिन मैं जरूर चोदूंगा.. उनकी शादी हो गई.. दीदी की शादी के 4 महीने बाद घर वाले एक हफ्ते के लिए बाहर गए तो मुझे घर में अकेले रह जाना था.. इसलिए दीदी घर आ गई थीं। तो कार चलाना सिखाने के बहाने कैसे मैंने उनकी अन्तर्वासना जगाई... कहानी में पढ़िए.. ...”

Story By: Antarvasna अन्तर्वासना (antarvasna)

Posted: Thursday, July 9th, 2015

Categories: [भाई बहन](#)

Online version: [सौतेली दीदी की चूत चुदाई -2](#)

सौतेली दीदी की चूत चुदाई -2

अब तक आपने पढ़ा कि मैं दीदी को कार चलाना सिखा रहा था। उसी के दौरान मैं उनके पीछे बैठा था और वे मेरी गोद में बैठी थीं।

मैं धीरे-धीरे कमर को भी आगे-पीछे करने लगा.. पैर सहलाते हुए मैं उनकी जाँघ के ऊपरी हिस्से तक आ गया था.. बिल्कुल चूत के पास.. पर मेरी चूत को हाथ लगाने की हिम्मत नहीं हुई।

अब तक दीदी गर्म होना चालू हो गई थीं.. जब हम घर पहुँचने वाले थे.. तब मैंने कपड़े के ऊपर से ही मैंने चूत को ज़ोर-ज़ोर से हाथ को सहलाया।

तभी हम घर पहुँच गए.. तो दीदी कुछ भी ना बोलते सीधे भागते हुए बाथरूम चली गईं और खड़े-खड़े चूत में उंगली डाल कर पानी निकालने लगीं और चूत का सफेद पानी निकाल कर चाटने लगीं।

उसके बाद मैंने सोच लिया कि दीदी अब मुझे खुद चोदने के लिए बोलेंगीं.. तभी मैं इनको चोदूँगा।

रात को दीदी ने खाना बनाया और हम खाना खाकर सो गए। उस रात को कुछ नहीं हुआ.. सबेरे जब दीदी सोकर उठीं और झाड़ू लगाने मेरे कमरे में आने लगीं।

अब आगे..

मैंने उनके आने की आहट पा कर अपना पैन्ट उतार दिया और लण्ड को खड़ा करके सोने का नाटक करने लगा।

मैंने अपने मुँह पर कंबल ले लिया जिसमें मैंने एक छेद ढूँढ कर रख लिया था.. उस छेद से मैं उन्हें देख रहा था कि दीदी क्या करती हैं।

जब वो कमरे में आई और उन्होंने लाइट ऑन की तो उनकी नज़र मेरे तने हुए लण्ड पर पड़ी। मेरा लण्ड उनको देख कर पूरा तन चुका था और उनको सलामी दे रहा था। एक मिनट देखने के बाद वो कमरे से जाने लगीं.. थोड़ी दूर जाने के बाद फिर से वापस आई और मेरी तरफ़ देखा। फिर वहीं पर खड़ी होकर मेरे लण्ड को देखने लगीं.. उनको लगा कि मैं सोया हूँ।

थोड़ी देर बाद वो मेरे लण्ड को पास से देखने लगीं।

वो जैसे ही पास आने को हुई.. मेरा लण्ड और तना.. कुछ देर देखने के बाद उन्होंने झाड़ू लगाना शुरू किया और झाड़ू लगाने के बाद फिर से मेरा खड़ा औजार देखने लगीं..

तो मैंने मेरा हाथ लण्ड के पास ले जाकर मेरे लण्ड का टोपे को नीचे कर दिया और लण्ड खड़ा करके उनको दिखाने लगा। मेरा लण्ड पूरा लाल हो गया था। लाल-लाल लण्ड देख कर उनके मुँह से एक 'आह' निकली..

फिर लण्ड को मैंने आगे-पीछे करना शुरू किया.. तो उनको शक हुआ कि मैं जाग रहा हूँ.. और वो उधर से चली गई।

बाद में मैं उठा और ब्रश करके जब चाय पी रहा था.. तब दीदी से पूछा- आपने झाड़ू लगाई क्या ?

तो दीदी बोलीं- हाँ..

मेरे कमरे में भी लगाई क्या.. ?

हाँ.. लगाई.. क्यों ?

‘नहीं.. बस ऐसे ही..’

दीदी बोलीं- रात को बहुत गर्मी थी क्या ?

‘हाँ दीदी.. रात को बहुत गर्म था.. दीदी आपको कैसा लग रहा था ?’

दीदी बोलीं- हाँ कल बहुत गर्म था..

फिर मैं नहा कर तैयार हो गया.. बाद में दीदी भी नहाने चली गई.. तो मैं दीदी को नहाते देखने लगा, दीदी पूरी नंगी होकर नहा रही थीं.. पर आज उन्होंने चूत से पानी नहीं निकाला।

नहाने के बाद जब वो बाहर निकलीं.. तो उनके हाथ में पैन्टी-ब्रा था। मतलब आज उन्होंने ब्रा और पैन्टी नहीं पहनी थी।

सिर्फ सलवार और कुरता ही पहना हुआ था।

दोस्तो, मुझे मालूम था कि आज दीदी कौन सा सलवार सूट पहनने वाली हैं.. तो मैंने उनके पजामे की गाण्ड तरफ का हिस्सा थोड़ा फाड़ कर रखा था.. पर उनको पता नहीं चला था। बाद में खाना बनाते और खाते वक्त मैं उनकी चूचियों को ही देख रहा था, उन्होंने आज ओढ़नी भी नहीं ली थी और उनके निप्पल भी साफ नज़र आ रहे थे। आज वो मेरे ऊपर बहुत मेहरबान दिख रही थीं।

जब दोपहर हुई.. तो मैंने दीदी से कहा- चलो गाड़ी चलाते हैं।

तो आज दीदी तुरंत मान गई और हम गाड़ी चलाने गए।

दीदी से मैंने कहा- आज हम घर पर ही गार्डन में चलाते हैं..

क्योंकि दोस्तों अगर चूत गर्म होगी तो मुझे रास्ते में चोदना पड़ेगा और आज इस साली दीदी को मैं आज किसी भी हालत में चोद कर चूत का रस पीना चाहता था।

मैंने आज शर्ट नहीं पहनी थी.. सिर्फ बनियान और पैन्ट में ही था.. और नो अंडरवियर..

मेरा फ़ार्म हाउस का गार्डन थोड़ा बड़ा था जिससे हम लोग उधर भी खूब आराम से गाड़ी चला सकते थे।

दीदी बगल की सीट पर बैठ गई और मैं ड्राइवर की सीट पर.. जब गार्डन में गाड़ी लाकर खड़ी की और दीदी से कहा- अब आप चलाओ।

तो दीदी ने कहा- गार्डन छोटा है और मेरे से ब्रेक नहीं लगे तो ?

‘तो फिर क्या करना है दीदी ?’

तो वो शरमा कर बोलीं- कल जैसे बैठे थे.. वैसे ही बैठ कर सिखाओ न..

मैंने कहा- ठीक है..

दीदी जब गेट खोल कर मेरे पास आने लगीं तो मैंने मेरी पैन्ट की चैन खोल कर लण्ड बाहर निकाल लिया और पैन्ट थोड़ा नीचे सरका दिया.. और बनियान को भी ऊपर कर दिया ।

जब उन्होंने गेट खोला तो मेरा पूरा तना हुआ लण्ड उनके सामने था.. पर वो कुछ नहीं बोलीं ।

उन्होंने बस एक मिनट मेरे तने हुए लण्ड को देखा और मेरे लण्ड के ऊपर बैठ गईं और गाड़ी स्टार्ट करने लगीं ।

मैंने थोड़ा उनकी गाण्ड को हिलाया और उनके फटे हुए पजामे से लण्ड को अन्दर कर दिया ।

अब मैंने दोनों पैरों को मेरे पैरों में ले लिया ।

अब उन्होंने गाड़ी स्टार्ट की और चलाने लगीं.. मैं मेरी सैटिंग जमा रहा था । थोड़ी देर बाद मेरा लण्ड उनकी गाण्ड के छेद से टच हुआ.. फिए मैंने सेकेंड राउंड में ज़ोर से एक्सीलेटर दबा दिया.. गाड़ी तेज हुई और ज़ोर से ब्रेक मारा ।

तभी मैंने उनकी कमर पकड़ कर रखी थी.. ब्रेक मारते ही वो उचकीं.. और मेरा आधा लण्ड उनकी गाण्ड में घुस गया ।

मैंने ब्रेक इतनी जोर से मारा था कि उनका पूरा ध्यान गाड़ी में था और मेरा लण्ड उनकी गाण्ड में था ।

थोड़ी देर बाद फिर से वैसे ही किया और अब पूरा लण्ड उनकी गाण्ड में था.. पर वो कुछ नहीं बोलीं।

थोड़ी देर बाद वो गर्म होने लगीं.. और मैंने गाण्ड ऊपर-नीचे करना स्टार्ट किया.. जैसे ही वो गर्म हुई.. तो मैंने मेरा लण्ड बाहर निकाल लिया और कहा- चलो बाकी काम घर में करते हैं।

जब हम घर आए तो मैं पूर नंगा हो गया और उनको भी नंगा किया। फिर मैं उनके मम्मे दबाने लगा.. बहुत देर तक मम्मों को ही चूसता रहा और निप्पलों को काटते रहा। फिर चूत को चाटना स्टार्ट किया.. अब वो बहुत गर्म हो चुकी थीं।

बोलीं- अब बस करो और जल्दी से चूत में डालो..

मैं बोला- क्या डालूँ ?

वो बोलीं- लण्ड डालो..

मैं समझ गया.. अब वो पूरी गर्म हो उठी हैं।

तो मैं बोला- मेरी कुछ शर्तें हैं मानती हो.. तो मैं डालता हूँ।

वो बोलीं- कैसी शर्त.. मुझे सब मंजूर है..

‘मेरी पहली शर्त है.. तुम आज के बाद कब भी चुदवाने के लिए ना नहीं कहोगी.. बोलो मंजूर?’

‘हाँ मंजूर..’

‘ओके.. दूसरी शर्त.. मैं तुम्हें कहीं पर भी चोदूँगा.. तुम ‘ना’ नहीं कहोगी.. बोलो मंजूर?’

‘हाँ..’

‘तुम अपनी देवरानी को मेरे से चुदवाओगी.. बोलो मंजूर?’

‘देवरानी को मैं कैसे तैयार करूँगी?’

‘वो मुझे नहीं मालूम..’

मैंने उनकी चूत में उंगली डाली तो बोलीं- ओके बाबा.. ठीक है.. ।

‘चौथी शर्त.. तुम्हारे पेट जो बच्चा है अगर लड़की हुई.. तो उसकी सील मैं तोड़ूंगा और अगर लड़का हुआ तो तुम्हारी पहली चूत रहेगी.. उसके लिए बोलो मंजूर ?’

‘अच्छा बाबा.. ठीक है.. अब तो डालो..’

‘ओके.. अब मैं आपको चोदूंगा..’

फिर मैंने उनकी चूत को इतना चाटा कि आखिरकार वो दो बार झड़ चुकी थीं । फिर मैंने उनकी चूत में लण्ड डाला तो वो तड़फने लगीं.. शायद मेरा लण्ड ज्यादा मोटा था और फिर मैंने उनको दो बार दम से चोदा ।

एक बार फिर गाण्ड भी मारी और हम दोनों थक कर सो गए और जब उठे तो रात के 9 बज चुके थे । वो बिस्तर से उठ नहीं पा रही थीं.. क्योंकि उनकी चूत में भयानक दर्द हो रहा था ।

फिर रात को हमें खाना खाया और एक बार चोदने को कहा.. जब वो नहीं मानी तो मैं बोला- तुमने वादा किया है ।

वो बोलीं- आज नहीं.. प्लीज़..

तो मैं बोला- ओके.. मुँह में ले लो..

तो भी वे नहीं मान रही थीं.. तो मैंने जबरदस्ती उनके मुँह में लण्ड डाल दिया और उनका मुँह चोदने लगा । थोड़ी देर बाद मेरा सारा स्पर्म वो पी गई और हम सो गए ।

सुबह जब वो रोटी बना रही थीं.. तो मैंने नीचे मुँह डाल कर उनकी चूत चाटने लगा.. वो बहुत मना करती रहीं.. पर मैंने आखिरकार उनका पानी पी ही लिया ।

यह मेरी दीदी के साथ मेरी सच्ची कहानी है ।

हो सकता है कि आपको बुरा लगे.. पर ये मेरी सच्ची कहानी है.. आप अपने विचारों को मुझ तक अन्तर्वासना के माध्यम से कहानी के नीचे अपनी टिप्पणी लिख कर अवश्य भेजिएगा ।

